दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

पत्रांक : /2021–22 दिनांक 29.10.2021

प्रकाशनार्थ

आज दिनाँक 29.10.2021 को महाविद्यालय सभागार में रेड रिबन क्लब के तत्वावधान में आयोजित होने वाले रक्तदान, टी.बी. और एड्स जागरूकता विषय पर बोलते हुए **जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. रामेश्वर मिश्र** ने कहा कि एक समय ऐसा था जब टी.बी.रोग असाध्य था क्योंकि टी.बी. फेफड़ों से लेकर आंतो तक फैलते हुए सम्पूर्ण मानव शरीर को विनष्ट कर देता है। लगातार बुखार, खांसी और बलगम तथा खून आना, वजन का घटना इसका प्रधान लक्षण है। आज भारत में लगभग साढ़े चार लाख लोग इस बीमारी से ग्रसित है इसका प्रकोप बच्चों पर भी हो रहा है। भारत सरकार सहित प्रदेश के सरकारी चिकित्सालयों में इसका निःशुल्क इलाज होता है इसके अतिरिक्त सरकार द्वारा इस बीमारी के रोकथाम तथा जागरूकता के संदर्भ में भी अनेक योजनाएं चलायी जा रही हैं जिसके अनुकरण से इस रोग से पूरी तरह बचा जा सकता है। **कार्यक्रम में पाथ सलाहकार डॉ. नीरज किशोर पाण्डेय** ने एच.आइ.वी.एड्स को एक महामारी बताते हुए कहा कि यह युवा वर्ग में तेजी से फैलता जा रहा है यह कोई छुआछूत की बीमारी नही बल्कि गलत आचरण के द्वारा, इन्जेक्शन लगाने या किसी मरीज को रक्तदान करते समय यदि लक्षण है तो यह बीमारी तेजी से फैलती जा रही है। इससे बचाव का एक ही उपाय है की हम अपने वैवाहिक जीवन के अतिरिक्त अन्य किसी प्रकार का सम्पर्क न रखें रक्त देते समय या लेते समय या किसी बीमारी में इन्जेक्शन लेते समय सभी प्रकार के सावधानियों को ध्यान में रखें। एड्स के विषय में बोलते हुए **डॉ.ए.एन. त्रिगुण डिप्टी आर.टी.पी.एम.यू. गोरखपुर** ने कहा कि एच.आई.वी.सी.वी.4 टी. नामक कोशिका है जो शरीर से लड़ने वाली बीमारीयों की मदद करने के लिए महत्वपूर्ण विशिष्ट रक्त कोशिकाओं को नष्ट करके मानव शरीर को नुकसान पहुँचाती हैं। एच.आइ.वी. एक नाजूक वायरस है जो शरीर बाहर जीवित नही रहता है यही कारण है कि शौचालय, भोजन या बर्तन साझा करने से सवंमित नही हो सकते हैं एच.आइ.वी.संक्रमित शरीर के तरल पदार्थ में एच.आइ.वी.–संवेदशील कोशिकाओं तक पहुँचता है। रक्तदान जागरूकता के विषय में बोलते **श्री धर्मवीर प्रताप सिंह, जिला कार्यक्रम समन्वयक** ने कहा कि रक्तदान करना प्रत्येक युवा का कर्तव्य है क्योंकि सही अर्थों में रक्तदान जीवनदान है जिसे करके किसी का जीवन बचाया जा सकता है।

पी.पी.एम.समन्वयक श्री अभय नारायण मिश्र ने इस अवसर पर क्षय रोगों के लक्षण एवं उनके बचाव के संदर्भ में अनेक महत्वपूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए **महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वीणा गोपाल मिश्रा** ने कहा कि ये कुछ ऐसी बीमारियां है जो हमारे समाज के लिए अभिशाप बन गयी हैं। जिनसे बचने के लिए चिकित्सा के साथ–साथ जागरूक रहना भी हमारा नैतिक कर्तव्य है। क्योंकि सुरक्षा ही बचाव का सबसे बड़ा साधन है। इस अवसर पर **पोस्टर प्रतियोगिता में** प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले **सुरज कुमार कन्नौजिया बी.एड. द्वितीय वर्ष, गरिमा त्रिपाठी बी.एड. द्वितीय वर्ष एवं ममता साहनी बी.ए. द्वितीय वर्ष** एवं **वीडियो मेकिंग प्रतियोगिता में** प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले **आकाश श्रीवास्तव बी.ए. तृतीय वर्ष, अभिषेक सिंह एम.काम. द्वितीय वर्ष एवं प्रियंम्बदा आर्या बी.ए. द्वितीय वर्ष** को प्राप्त हुआ। इन विजेता छात्रों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का संचालन एवं आभार ज्ञापन रेड रिबन क्लब की नोडल अधिकारी डॉ. रूक्मिणी चौधरी ने किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

डॉ.(वीणा गोपाल मिश्रा)
प्राचार्य